सामाजिक स्तरण के आधार या पद्धति
(Bases or Systems of Social Stratification)

मानवशास्त्रियों एवं इतिहासकारों के अध्ययनों से यह पता चलता है कि अब तक का समाज मुख्य रूप से पाँच आधारों पर विन्यस्त रहा है, जैसे — (1) दास प्रथा (2) वर्ण व्यवस्था, (3) जाति, (4) एस्टेट एवं (5) वर्ग। कभी तो कोई समाज इन पाँच में से किसी एक आधार पर स्तरित रहा है, तो कभी एक साथ दो आधारों पर। उदाहरणस्वरूप प्राचीनकाल में भारत के सामाजिक स्तरण का आधार वर्ण एवं बाद में जाति हुई, तो वहीं आज जाति एवं वर्ग दोनों स्तरण के मुख्य आधार है।

(1) दास प्रथा (Slavery) :—

दास प्रथा एक आखिरी किस्म की सामाजिक असमानता का द्योतक है। प्राचीन एवं मध्यकालीन युग में इस प्रथा का प्रचलन कई मुल्कों में था। पर इस प्रथा में भी काफी भिन्नताएँ थी। कुछ समाज में दासों को कोई भी आर्थिक और कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं थे, तो कुछ समाजों में उसे थोड़ा बहुत मानवीय अधिकार प्राप्त था। इस प्रथा के तहत आर्थिक और कानूनी दोनों तरह की असमानताएँ मौजूद थी। दास प्रथा के अन्तर्गत दासों का जीवन लगभग जानवरों की तरह था।

(2) वर्ण व्यवस्था :—

दुनिया के अधिकांश समाज में सामाजिक स्तरण का आधार वर्ग रहा है,